ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलें

खबरों में क्यों?

- दक्षिण पूर्व एशियाई देश के साथ हथियार प्रणालियों की आपूर्ति के लिए 375 मिलियन डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर करने के दो साल बाद, भारत ने शुक्रवार को फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का पहला बैच दिया ।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को फिलीपींस तक पहुंचाने के लिए अपने सी-17 ग्लोबमास्टर परिवहन विमान का इस्तेमाल किया।

- ब्रह्मोस के तट-आधारित, एंटी-शिप संस्करण की तीन बैटरियों के लिए भारत के साथ 375 मिलियन डॉलर का सौदा किया, जो भारत और रूस के बीच संयुक्त उद्यम मिसाइल के लिए पहला निर्यात ग्राहक बन गया।
- कार्यक्रम के संशोधित सशस्त्र बल के क्षितिज २ के तहत सिस्टम प्राप्त कर रहा है ।
- यह डिलीवरी दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस और चीन के बीच पिछले कुछ महीनों से चल रही तनातनी के बीच हुई है और सिस्टम चालू होने के बाद फिलीपींस सशस्त्र बलों की रक्षात्मक मुद्रा में काफी वृद्धि होगी ।
- दुनिया की सबसे तेज़ सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइलों के रूप में, ब्रह्मोस मिसाइलें फिलीपींस की संप्रभुता और संप्रभु अधिकारों को कमजोर करने के किसी भी प्रयास के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करेंगी, खासकर पश्चिमी फिलीपीन सागर में।
- डील के मुताबिक फिलीपींस को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल सिस्टम के लिए तीन मिसाइल बैटरियां मिलेंगी। इस सौदे में ऑपरेटरों के लिए प्रशिक्षण और आवश्यक एकीकृत लॉजिस्टिक्स सहायता पैकेज भी शामिल था।
- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज़ मिसाइलों का निर्माण ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाता है - जो रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी संघ के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है ।
- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों को दुनिया के सबसे सफल मिसाइल कार्यक्रमों में से एक कहा जाता है।
- ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें 2.8 मैक या ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना अधिक गति से उड़ती हैं ।
- किलोमीटर की दूरी तक लक्ष्य को मार सकते हैं और उन्हें पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या भूमि प्लेटफार्मों से लॉन्च किया जा सकता है।

विशाल प्रागैतिहासिक साँप के जीवाश्म

खबरों में क्यों?

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रूड़की के शोधकर्ताओं ने सबसे बड़े सांपों में से एक के जीवाश्म की खोज की सूचना दी है जो कभी अस्तित्व में था और संभवतः 47 मिलियन वर्ष पहले मध्य इओसीन नामक अवधि के दौरान रहता था।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- ये जीवाश्म गुजरात के कच्छ में पाए गए थे और इस सरीसृप का नाम वासुकी था इंडिकस , 10 मीटर से 15 मीटर के बीच कहीं भी लंबा या आधुनिक स्कूल बस जितना बड़ा हो सकता था ।
- यह अब विलुप्त हो चुके मडत्सोइदे साँप परिवार से संबंधित था, लेकिन भारत के एक अद्वितीय वंश का प्रतिनिधित्व करता है।
- इस खोज से इस बात की समझ में सुधार हो सकता है कि विभिन्न प्रकार की जलवायु में मैडत्सोइद प्रजातियां कैसे विकसित हुईं, साथ ही उन कारकों की भी समझ में सुधार हो सकता है जिन्होंने शरीर के बड़े आकार में योगदान दिया। इसका एक कारण उस समय की उष्णकटिबंधीय जलवायु में उच्च तापमान माना जाता है।
- सरीसृप उस समय अस्तित्व में थे जब पृथ्वी आज से काफी अलग दिखती थी, और अफ्रीका, भारत और दक्षिण अमेरिका एक संयुक्त भूभाग थे।
- वासुकी इंडिकस का शरीर संभवतः चौड़ा और बेलनाकार था, जो एक मजबूत और शक्तिशाली निर्माण का संकेत देता था और टाइटेनोबोआ जितना बड़ा था , एक विशाल सांप जो एक बार पृथ्वी पर घूमता था और कथित तौर पर अब तक ज्ञात सबसे लंबा सांप है। वासुकी का तात्पर्य उस पौराणिक साँप से है जिसे अक्सर हिंदू भगवान शिव के गले में दर्शाया जाता है।
- आजकल के अजगरों और एनाकोंडा, वासुकी इंडिकस की तरह अपने शिकार को दम घोंटकर मार डालता है।
- यह खोज न केवल भारत के प्राचीन पारिस्थितिकी तंत्र को समझने के लिए बल्कि भारतीय उपमहाद्वीप पर सांपों के विकासवादी इतिहास को जानने के लिए भी महत्वपूर्ण है।
- यह हमारे प्राकृतिक इतिहास को संरक्षित करने के महत्व को रेखांकित करता है और हमारे अतीत के रहस्यों को उजागर करने में अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डालता है।

प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2024

खबरों में क्यों?

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (MWCD) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा की तर्ज पर प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा 2024 के लिए ' आधारशिला ' शीर्षक से राष्ट्रीय पाठ्यचर्या जारी की है।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- पहली बार, केंद्र सरकार ने तीन से छह साल की उम्र के बच्चों को पढ़ाने के लिए उपयुक्त पाठ्यक्रम जारी किया है, जिससे 14 लाख बच्चों में प्री-स्कूल शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। देश भर की आंगनबाड़ियाँ ।
- ' आधारशिला ' (आधारशिला के रूप में अनुवादित) एक विस्तृत 48-सप्ताह का पाठ्यक्रम है जो आंगनबाड़ियों में तीन से छह साल के आयु वर्ग में सीखने के लिए है ।
- लाख हैं भारत में आंगनवाड़ीयाँ गर्भवती माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं के लिए गांवों में नोडल बिंदु के रूप में कार्य करती हैं।
- एमडब्ल्यूसीडी ने शिक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर कल्पना की है कि इन आंगनबाड़ियों को प्री-स्कूल के रूप में दोगुना किया जाना चाहिए जो बच्चों को बुनियादी शिक्षा प्रदान करते हैं, जिससे उनकी मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक अवधारणाओं को मजबूत किया जा सके।
- पाठ्यक्रम में चार सप्ताह की शुरुआत के साथ एक साप्ताहिक आधारित खेल कैलेंडर शामिल है

जिसमें शैक्षणिक गतिविधियां शामिल हैं जो बच्चों को मज़ेदार और मुफ्त खेल में संलग्न करके घर से आंगनवाड़ी केंद्र में स्थानांतरित करने में मदद करती हैं।

- गतिविधियों और समय सारणी को आयु के अनुसार अलग किया जाता है, जिसमें आवश्यक सामग्री की विस्तृत आवश्यकता, आयु-उपयुक्त विनिर्देश, विविधता, शिक्षक के लिए नोट्स, लक्षित पाठ्यचर्या लक्ष्य और बच्चों द्वारा प्राप्त की जाने वाली योग्यता और बच्चों की रुचि का अवलोकन किया जाता है।
- पाठ्यक्रम सुनने के कौशल, शब्दावली निर्माण, कल्पना को बढ़ावा देने, वर्णन करने, निर्देशों का पालन करने, रचनात्मकता, सामाजिक विकास, आत्म-अभिव्यक्ति और आत्म-सम्मान विकसित करने में मदद करता है, जो एक बच्चे को ग्रेड 1 में आसानी से संक्रमण करने में मदद करेगा।
- तीन से छह वर्षों के लिए राष्ट्रीय ढांचा राज्यों के लिए अपने स्वयं के सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए एक आधार के रूप में काम करेगा, जिसे बच्चों की स्कूली चुनौतियों से निपटने के समाधान के रूप में देखा जाएगा।

वराष्ट्रीय संपत्ति और वित्तीय संपदा के रूप में वन

खबरों में क्यों?

- सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि भारत में वन एक राष्ट्रीय संपत्ति हैं और देश की वित्तीय संपदा में प्रमुख योगदानकर्ता हैं।

समाचार के बारे में अधिक जानकारी

- यह निर्णय ऐसे महत्वपूर्ण समय पर आया है जब विवादास्पद वन संरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2023 या एफसीएए ने व्यापक आलोचना को आकर्षित किया है।
- एफसीएए पर राज्यों को संरक्षित वनों में अतिक्रमण को नियमित करने और वनभूमि के विचलन का निर्धारण करने की खुली छूट देने का आरोप है। इस अधिनियम की पर्यावरणीय मंजूरी से ढांचागत परियोजनाओं को छूट देने के अलावा, वनों के व्यावसायिक दोहन का मार्ग प्रशस्त करने के लिए आलोचना की गई है।
- अधिक वन क्षेत्र वाला देश अपने अतिरिक्त कार्बन क्रेडिट को घाटे वाले देश को बेचने की स्थिति में होगा। यह बदले में किसी देश की वित्तीय संपदा में

योगदान देने में वनों के महत्व को रेखांकित करता है।

- फैसले में कहा गया कि भारत के जंगल कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) के एक बड़े स्रोत के रूप में काम करते हैं। शमन के मूल्य ने हमारे जंगलों में बंद CO_2 के प्रति टन 5 डॉलर का रूढ़िवादी मूल्य रखा है , CO_2 के लगभग 24,000 पहाड़ के इस विशाल सिंक की कीमत 120 बिलियन डॉलर है।
- अदालत ने पर्यावरण और वन मंत्रालय की 2009 की रिपोर्ट 'भारत का वन और वृक्ष आवरण: कार्बन सिंक के रूप में योगदान' का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि "1995 से 2005 तक, हमारे जंगलों और पेड़ों में संग्रहीत कार्बन स्टॉक में वृद्धि हुई है।" 6,245 मिलियन टन (पर्वत) से 6,662 पर्वत, कार्बन के 38 पर्वत या CO_2 समकक्ष के 138 पर्वत की वार्षिक वृद्धि दर्ज करता है।
- न्यायमूर्ति सुंदरेश ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वनों की सुरक्षात्मक भूमिका पर प्रकाश डाला। इसमें जलवायु परिवर्तन के व्यापक आर्थिक प्रभाव और वर्षा के बदलते पैटर्न पर भारतीय रिजर्व बैंक की 2022-2023 रिपोर्ट का हवाला दिया गया।
- फैसले में रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि इन कारकों से अर्थव्यवस्था को सकल घरेलू उत्पाद का 2.8% नुकसान हो सकता है और 2050 तक इसकी लगभग आधी आबादी के जीवन स्तर पर असर पड़ सकता है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण भारत को वर्ष 2100 तक सालाना अपने सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3% से 10% तक का नुकसान हो सकता है, "आरबीआई दस्तावेज़ में कहा गया है।
- एक प्रबुद्ध प्रजाति होने के नाते मनुष्य से पृथ्वी के ट्रस्टी के रूप में कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। अन्य प्रजातियों के आवास को नष्ट करना उसका अधिकार नहीं है बल्कि उन्हें आगे के संकट से बचाना उसका कर्तव्य है।

GS FOUNDATION COURSE

FOR BPSC

ADMISSION OPEN

upto 50% OFF*

हिंदी माध्यम | ENGLISH MEDIUM MODE: Online & Offline